SATYARTHI

KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

भारत यात्रा 21 सितंबर को हैदराबाद पहुंचेगी

29 अगस्त**, 2017**: नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित श्री कैलाश सत्यार्थी द्वारा बाल यौन शोषण और दुर्व्यापार के खिलाफ शुरू की जा रही भारत यात्रा **21** सितंबर, 2017 को हैदराबाद पहुंचेगी। इस यात्रा को 11 सितंबर को कन्याकुमारी से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसका समापन 16 अक्टूबर को दिल्ली में होगा।

यात्रा एक नए भारत के निर्माण के लिए की जा रही है जहां हर बच्चा सुरक्षित, आजाद और शोषणमुक्त होगा। इस यात्रा को हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का भी पूरा समर्थन हासिल है।

श्री सत्यार्थी की प्रेस कॉन्फ्रेंस हैदराबाद में आयोजित की गई, जहां उन्होंने पत्रकारों को तेलंगाना तथा आंध्र प्रदेश में बड़े पैमाने पर हो रहे बाल यौन शोषण और दुर्व्यापार की मौजूदा समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने इस बात पर गहरा शोक भी व्यक्त किया कि कई जगहों पर ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें नाबालिगों से दुष्कर्म उनके परिजनों या करीबी दोस्तों ने ही किया है। वे हैदराबाद में विभिन्न धार्मिक मतों के नेताओं तथा विद्वानों से भी मिलेंगे ताकि बाल यौन शोषण और दुर्व्यापार के विरुद्ध एक सामूहिक युद्ध छेड़ा जा सके।

श्री सत्यार्थी ने हाल में दिल्ली और अजमेर में भी अलग–अलग मतों के नेताओं से भेंट कर इस बुराई के खिलाफ लड़ने के लिए उनसे समर्थन देने का अनुरोध किया था।

2015 की एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों का यौन शोषण करने वाले 99 फीसदी दोषी पीड़ितों की जान–पहचान के ही होते हैं। यही वजह है कि ऐसे अपराधों को रोकना और उनका पता लगाना मुश्किल होता है।

इस रिपोर्ट के जरिए यह बात निकल कर सामने आई कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बाल विवाह चिंता का एक बड़ा विषय है। इन राज्यों में 3,19,108 लड़कियों तथा 3,21,073 लड़कों की शादी बालिग होने से पहले ही कर दी गई है।

इसके अलावा, 2013–15 में 17,560 बच्चे गुमशुदा रहे। ये आंकड़े इस तथ्य की ओर भी इशारा करते हैं कि इन राज्यों में बाल दुर्व्यापार कितने बड़े पैमाने पर चल रहा है। यहां बच्चों को कई-कई बार बेचा जाता है तथा उन्हें लगातार शारीरिक, मानसिक एवं यौन हमलों का शिकार बनाया जाता है।

श्री सत्यार्थी ने समाज में इस नैतिक महामारी को लेकर चिंता जताई और कहा कि इस वजह से ही पीड़ित या उनके परिजन इस बुराई के खिलाफ आवाज नहीं उठाते हैं। यही डर ऐसी बर्बरता करने वालों को और भी मजबूत बनाता है और वे समाज में बेखौफ घूमते हैं तथा और भी अधिक घिनौने अपराध करने से नहीं चूकते। इस तरह, ये अपराधी कई मासूम जिंदगियों को अपनी हैवानियत का शिकार बनाते हैं।

श्री सत्यार्थी ने कहा, "मैं यह स्वीकार करने को कतई तैयार नहीं हूं कि हमारा भारत उस वक्त भी अपनी जुबान पर ताले जड़कर बैठा रहे, जब उसके बच्चे हिंसा के शिकार हो रहे हों। अगर किसी देश के बच्चे हैवानवियत की बेड़ियों में जकड़े हुए हों तो वह देश कैसे प्रगति कर सकता है? ऐसी सामाजिक वर्जनाओं के कारण हम लोग चुप्पी साध लेते हैं और कोई मजबूत पक्ष भी नहीं रख पाते। लेकिन हमारी प्रस्तावित भारत यात्रा को आपकी बुलंद आवाज की जरूरत है और साथ ही इस बढ़ते अपराध के खिलाफ पुरजोर तरीके से संग्राम करने के लिए संकल्पशक्ति की भी आवश्यकता है। यह एक ऐसा नैतिक संकट है जिससे आज पूरी दुनिया जूझ रही है और मैं अपनी बेटियों तथा बेटों के दुष्कर्मियों के खिलाफ युद्ध का ऐलान करता हूं।"

श्री सत्यार्थी ने जोर देकर कहा कि पत्रकार अपनी लेखनी के जरिए सामाजिक मुद्दों की रिपोर्टिंग और उनको सही परिप्रेक्ष्य में समझने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं जिससे बाल यौन शोषण और दुर्व्यापार जैसे मसले देश में मुखरता से सामने आ सकते हैं। सत्यार्थी जी का मानना है कि इन मुद्दों पर हर घर में बहस होनी चाहिए। जिससे आक्रोश पैदा हो और हर व्यक्ति इसके खिलाफ अपनी आवाज उठाए तथा देश में लोगों की मानसिकता में बदलाव लाने की मांग करे।

उन्होंने आगे कहा, "चौथे स्तंभ के जरिए आपका लेखन युवाओं को इस दिशा में कुछ ठोस करने के लिए प्रेरित करेगा। आपकी लेखनी में इतना आक्रोश होना चाहिए कि वह समाज में बदलाव ला सके जो यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करें कि इस देश के बच्चे पूरी स्वतंत्रता के साथ रह सकें और उनका बचपन सुरक्षित तथा खुशहाल हो।"

SATYARTHI

KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

कैलाश सत्यार्थी पिछले 36 वर्षों से दुनिया भर में बच्चों की आजादी, सुरक्षा और संरक्षा के लिए अभियान चला रहे हैं। उन्होंने 1998 में ऐतिहासिक ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर का नेतृत्व किया था, जिससे प्रेरित होकर आईएलओ ने बाल मजदूरी के सबसे खराब रूपों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन पारित किया। इसके साथ ही सत्यार्थी जी ने 2001 में शिक्षा यात्रा निकाली जिससे शिक्षा को संविधान में मौलिक अधिकार बनाया गया। श्री सत्यार्थी को हाल ही में भारत की लिंक्ड पावर लिस्ट, 2017 में भी रखा गया है। प्रेरणादायी वैचारिक नेता के तौर पर उन्होंने हमारे देश की सामाजिक और राजनीतिक नीतियों को प्रभावित करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। बच्चों के अधिकारों के लिए 2014 में उनके अथक प्रयासों और संघर्ष के लिए उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

1893 में शिकागो में महान नेता स्वामी विवेकानंद के भाषण की सालगिरह पर इस यात्रा को 11 सितंबर को कन्याकुमारी के विवेकानंद मेमोरियल से रवाना किया जाएगा।

श्री सत्यार्थी और उनकी फाउंडेशन केएससीएफ सितंबर में इस यात्रा को शुरू करने के लिए पिछले कई महीनों से जमीनी स्तर पर प्रयासरत हैं। इस सिलसिले में श्री सत्यार्थी ने देशभर के कार्पोरेट जगत, राजनीतिक नेताओं, सामाजिक संगठनों आदि से मुलाकात की। इन सभी ने भारत यात्रा के लिए उन्हें समर्थन देने का वादा किया तथा इस बुराई को खत्म करने के लिए इसे एक जरूरी अभियान बताया।

भारत यात्रा बाल यौन शोषण और दुर्व्यापार के विरुद्ध शुरू किए गए अगले तीन वर्षों तक जारी रहने वाले अभियान का हिस्सा है। यह यात्रा लोगों में जागरूकता फैलाने और ऐसे मामलों को दर्ज कराने, पीड़ितों को चिकित्सा सुविधाएं और मुआवाजा दिलाने के साथ–साथ मामलों की सुनवाई के दौरान गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। यह यात्रा एक समय सीमा के भीतर दोषियों को सजा दिलाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:
प्रियंका आर पंडित |+91-8885000242| priyanka@thegutenberg.com